लोक सभा अध्यक्ष ने सर्बिया के प्रधानमंत्री से भेंट की

...

कैंप कार्यालय – बेलग्रेड 16 अक्तूबर, 2019

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज बेलग्रेड में सर्बिया गणराज्य की प्रधानमंत्री महामहिम सुश्री आना ब्रानाबिक से भेंट की।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत और सर्बिया घनिष्ठ मित्र रहे हैं, श्री बिरला ने कहा कि गुट-निरपेक्ष आंदोलन के सह-संस्थापक होने के नाते दोनों देशों के बीच पारंपरिक रूप से परस्पर विश्वास और सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत ने सर्बिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों में सर्बिया का समर्थन किया है।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारतीय कंपनियां सर्बिया में गहरी रूचि ले रही हैं और उन्होंने ट्रैक्टर असेम्बली प्लांट, आईटी पार्क, खाद्य प्रसंस्करण आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश किया है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हो रही है परन्तु यह संभावना से काफी कम है और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सर्बिया को वर्ल्ड फूड इंडिया और भारत में होने वाले अन्य व्यापार मेलों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि सर्बिया 20-21 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली में होने वाले पांचवें भारत-यूरोप 29 बिजनेस फोरम में भाग लेगा।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि सर्बिया के लोग और भारतीय संस्कृति में बहुत रूचि ले रहे हैं , श्री बिरला ने कहा कि इस वर्ष बेलग्रेड सहित सर्बिया के 14 शहरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। उन्होंने सर्बिया के लोगों द्वारा भारत की संस्कृति, कला और नृत्यों में ली जा रही गहरी रूचि की सराहना की। श्री बिरला ने यह भी कहा कि सर्बिया भारत के फिल्म निर्माताओं के लिए फिल्मांकन का केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि भारतीय फिल्म निर्माता सर्बिया में और अधिक भारतीय फिल्मों का फिल्मांकन करने के अवसर का लाभ उठाएंगे।

श्री बिरला ने विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व सीमा शुल्क संगठन, अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन में भारत की उम्मीदवारी और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत की सदस्यता के लिए सर्बिया के समर्थन के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने नवंबर-दिसम्बर, 2019 में होने वाले इंटरनेशनल मेरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन की परिषद के चुनाव में भारत के पुनः निर्वाचन के लिए सर्बिया के समर्थन के लिए अनुरोध किया।